दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, गुरुवार 25 अगस्त 2022 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-04, अंक- 326

महत्वपूर्ण एवं खास

महाराष्ट्र विधानसभा में भिड़े शिंदे और उद्धव गुट के विधायक, '50 खोखे-एकदम ओके' पर भड़के दोनों पक्ष

मुंबई (आरएनएस)। महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे के हाथ से सत्ता जाने के बाद एकनाथ शिंदे मुख्यमंत्री तो बन गए, लेकिन शिवसेना (उद्धव गुट) और सरकार में शामिल विधायकों के बीच रस्साकशी अब भी जारी है। आज महाराष्ट्र की विधानसभा में एक अजीब नजारा देखने को मिला। मानसून सत्र के दौरान बुधवार को शिवसेना के शिंदे गुट और उद्धव ठाकरे गुट के विधायक एक दूसरे से भिड़ गए। दरअसल, महाराष्ट्र विधानभवन की सीढ़ियों पर शिंदे गुट के विधायक और बीजेपी विधायकों ने पिछली सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। इन विधायकों ने कोविड में हुए भ्रष्टाचार और उसपर तत्कालीन मुख्यमंत्री की उदासीनता के विरोध में नारे गाए। उसी समय विपक्ष भी सीढ़ियों पर आकर जमकर नारेबाजी करने लगा। विपक्ष के विधायक हाथ में गाजर लेकर सत्ताधारियों को चिढ़ाने लगे। पहली बार विधानभवन की सीढ़ियों पर सत्तापक्ष और विपक्ष एक दूसरे के आमने-सामने भिड़ गए। इसके बाद उद्धव गुट के विधायक विधानसभा प्रांगण में शिंदे गुट के खिलाफ '50 खोखे, एकदम ओके' जैसी नारेबाजी करने लगे और दोनों गुट आपस में भिड़ गए।

पूर्व पीएम राजीव गांधी को विमान उड़ाना सिखाने वाले पायलट का निधन, कल होगा अंतिम संस्कार

कोच्ची (आरएनएस)। पूर्व शीर्ष भारतीय एयरलाइन अधिकारी कैप्टन टी.ए. कुंजीपालु का बुधवार को यहां निधन हो गया। सूत्रों ने मिली जानकारी के मुताबिक, कैप्टन टी.ए. कुंजीपालु जिन्हे पायलट के रूप में जाना जाता था। उन्होंने राजीव गांधी को उड़ान भरना सिखाया और बाद में उन्हें एक पायलट के रूप में मंजूरी दे दी थी। 1989 में इंडियन एयरलाइंस से सेवानिवृत्त होने के बाद 94 वर्षीय कुंजिपालु यहां के पास अलुवा में बस गए। दिलचस्प बात यह है कि बाद में राजीव गांधी जब श्रीलंका के साथ समझौते पर हस्ताक्षर करने गए, तो कुंजिपलु ने ही विमान को कोलंबो के लिए रवाना किया था। उनका अंतिम संस्कार गुरुवार को स्थानीय पल्ली में किया जाएगा।

पद्मश्री कलाकार की मौत के 24 साल बाद अस्पताल पर ठोका गया जुर्माना

लखनऊ (आरएनएस)। प्रख्यात कलाकार और पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित प्रोफेसर रणबीर सिंह बिष्ट की कथित चिकित्सा लापरवाही के कारण मृत्यु के लगभग 24 साल बाद, उत्तर प्रदेश राज्य उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने यहां संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान (एसजीपीजीआईएमएस) पर 39 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। आदेश के अनुसार, प्रोफेसर रणबीर सिंह 1986 से एनजाइना के रोगी थे और 2 सितंबर 1998 को एसजीपीजीआई में भर्ती हुए थे। हालांकि, इलाज के दौरान 25 सितंबर 1998 को उनकी मृत्यु हो गई। प्रोफेसर बिष्ट की बेटी पुष्पिता बिष्ट ने तब उपभोक्ता निकाय का रुख किया था, जिसमें आरोप लगाया गया था कि डॉक्टरों ने इलाज में लापरवाही की और इससे उनके पिता की मृत्यु हो गई। उसने आगे आरोप लगाया कि रोगी को दी जाने वाली दवा और उपचार ठीक से नहीं किया गया और पेसमेकर को परिवार के सदस्यों की सहमति के बिना हटा दिया गया। साथ ही डॉ. पी.के. गोयल ने मरीज की गलत उम्र का जिक्र किया।

फ्लोर टेस्ट से पहले खेला : आरजेडी के सांसद, एमएलसी समेत कई नेताओं के घर सीबीआई की रेड

पटना (आरएनएस)। बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली महागठबंधन सरकार के फ्लोर टेस्ट से पहले केंद्रीय जांच एजेंसी सीबीआई और ईडी ने छापेमारी की है। बताया जा रहा है कि सीबीआई ने जॉब के बदले जमीन मामले में पटना में आरजेडी एमएलसी सुनील सिंह, आरजेडी सांसद अशफाक करीम, फैयाज अहमद और पूर्व एमएलसी सुबोध राय के यहां भी छापेमारी की है। वहीं झारखंड में छापेमारी की खबर है।

बुधवार सुबह सीबीआई की टीम पटना स्थित अशफाक करीम और सुनील सिंह के घरों पर छापेमारी करने पहुंची। इसके अलावा फैयाद अहमद और सुबोध राय के आवास पर भी छापेमारी की खबर है। बताया जा रहा है कि कथित लैंड फॉर जॉब स्कैम में यह छापेमारी की जा रही है। सुनील सिंह और सुबोध राय आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के करीबी हैं। बता दें कि आज ही विधानसभा में नीतीश सरकार को बहुमत साबित करना है।

जानकारी के मुताबिक बुधवार सुबह करीब 8 बजे सीबीआई की टीम सुनील सिंह के पटना स्थित आवास पर पहुंची। सीबीआई अधिकारियों के साथ सुरक्षाबल भी मौजूद है। आरजेडी सांसद अशफाक करीम के घर भी सीबीआई की टीम पहुंची है। हालांकि अभी इसकी पुष्टि नहीं हुई है। साथ ही आरजेडी सांसद फैयाज अहमद और पूर्व एमएलसी सुबोध राय के आवास पर भी रेड की सूचना है।

सीबीआई की ये कार्रवाई बिहार विधानसभा में महागठबंधन सरकार के फ्लोर टेस्ट से ठीक पहले हुई है। राज्य में सत्ता परिवर्तन के बाद बुधवार को विधानसभा का विशेष सत्र बुलाया गया है, जिसमें नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली नई सरकार का बहुमत परीक्षण होगा। इसके साथ ही स्पीकर विजय सिन्हा के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर भी वोटिंग होगी। सीबीआई ने रेल मंत्री रहे लालू प्रसाद यादव, उनकी पत्नी राबड़ी देवी, दो बेटियां, नौकरशाह और कुछ निजी व्यक्तियों के खिलाफ केस दर्ज किया था। आरोप हैं कि लालू यादव के रेल मंत्री रहते हुए रेलवे में ग्रुप डी पोस्ट पर लोगों को नौकरियां दिलाई गईं, इसके बदले में जमीन लालू परिवार के लोगों के नाम पर करवा दी गई। जांच में सामने आया कि रेलवे की ओर से उन पदों पर भर्ती के लिए किसी तरह का नोटिफिकेशन नहीं निकाला गया था। लालू परिवार के लोगों ने इस कथित घोटाले में एक लाख वर्ग फीट से ज्यादा की जमीन अपने नाम करवा ली थी। इससे पहले सीबीआई ने लालू परिवार के ठिकानों पर भी छापेमारी की थी। पिछले महीने लालू यादव के पूर्व ओएसडी भोला यादव को इस मामले में सीबीआई ने गिरफ्तार किया था।

सीएम हेमंत सोरेन के करीबी के घर से मिली 2 एके -47 राइफलें, अन्य हथियारों की बरामदगी की भी सूचना

रांची (आरएनएस)। झारखंड में सीएम हेमंत सोरेन के करीबी कारोबारी प्रेम प्रकाश के रांची स्थित ठिकाने पर चल रही ईडी की छापामारी के दौरान दो एके-47 राइफलें बरामद की गई हैं। बताया जा रहा है कि ये रायफलें हरमू स्थित उसके ठिकाने पर एक आलमारी की तलाशी के दौरान मिलीं। इसके अलावा कुछ अन्य हथियारों की बरामदगी की भी सूचना है। इसकी जांच के लिए सुरक्षा एजेंसियों को भी सूचित किया गया है। इसी मामले से जुड़ी अहम सूचना यह भी है कि ईडी ने चार्टर्ड अकाउंटेंट जे. जयपुरियार के रांची स्थित दो ठिकानों पर भी छापामारी की है। बताया जा रहा है कि वह झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के अकाउंट से जुड़ी कुछ फाइलें देखते हैं। प्रेम प्रकाश को झारखंड के सत्ता के गलियारे में पावर ब्रोकर के रूप में जाना जाता है। ईडी की टीमों ने उसके और उसके करीबियों के 18 ठिकानों पर बुधवार सुबह से छापामारी शुरू की है। इसके पहले 25 मई को भी उसके आधा दर्जन ठिकानों पर छापामारी में कई कीमती सामान बरामद किये गये थे। एक कंबोडियन कछुआ भी उसके घर से मिला था, जिसे बाद में एक चिड़ियाघर को सौंप दिया गया। दो एके-47 की बरामदगी की खबर फैलते ही प्रमुख विपक्षी पार्टी भाजपा के नेता राज्य की हेमंत सोरेन सरकार पर हमलावर हो गये हैं। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने ट्विट कर कहा है कि झारखंड के मुख्यमंत्री और उनके पारिवारिक मित्र अमित अग्रवाल जी के सहयोगी प्रेम प्रकाश जी के यहां सूत्रों के अनुसार ईडी ने एके-47 बरामद किया है। यानी वह आतंकवादी व नक्सलियों का सरगना है। एनआईए को इस मामले की जांच अपने हाथ में लेनी चाहिए। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश ने कहा है कि प्रेम प्रकाश की राज्य की सरकार में कितनी ऊंची पहुंच रही है, यह हर कोई जानता है। अब उसके आवास से एके 47 की बरामदगी इस बात का सबूत है कि राज्य में सत्ता किस तरह के लोग चला रहे हैं।

नशा तस्करी के खिलाफ असम राइफल्स की बड़ी कार्यवाई, 17 करोड़ की ब्राउन शुगर जब्त

नई दिल्ली (आरएनएस)। नशीले पदार्थों की तस्करी पर असम राइफल्स और मणिपुर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 17.20 करोड़ रुपए की ब्राउन शुगर जब्त की है। असम राइफल्स की तरफ से ये जानकारी दी गई है।

जानकारी के मुताबिक, असम राइफल्स के जवानों को एक खुफिया इनपुट के आधार पर पता चला कि म्यांमार से मणिपुर के टेंग्नौपाल जिले में नशीले पदार्थों की बड़ी खेप भेजी जा रही है। इसी इनपुट के आधार पर असम राइफल्स और मणिपुर पुलिस ने सीमा के पास एक संयुक्त अभियान में म्यांमार की तरफ से भारत आ रहे 2 व्यक्तियों की संदिग्ध गतिविधियां देखी। जवानों के चुनौती देने पर दोनों व्यक्तियों ने अपने पास रखे बोरे फेंक दिए और म्यांमार की तरह भाग गए। बोरियों की जब तलाशी ली गई, तो उसमें से 8.6 किलो ब्राउन शुगर बरामद हुई। जब्त की गई ब्राउन शुगर की कीमत 17.20 करोड़ बताई जा रही है।

इस पूरे अभियान को असम राइफल्स और मणिपुर पुलिस ने टेंग्नौपाल जिले के सीमावर्ती शहर मोरेह में अंजाम दिया। बरामद किए गए ब्राउन शुगर को आगे की जांच के लिए मोरेह पुलिस को सौंप दिया गया है। इसके पीछे सीमा पार से तस्करों का कौन सा नेटवर्क काम कर रहा है, उसकी भी जांच की जा रही है। गौरतलब है कि राजधानी दिल्ली और आसपास के इलाकों में जो ड्रग्स सप्लाई की जाती है, उसमें से ज्यादातर म्यांमार के रास्ते मणिपुर से ही आती है। ऐसे में पूर्वोत्तर राज्यों में सक्रिय असम राइफल्स के जवान ड्रग तस्करी को रोकने के लिए हमेशा मुस्तैद रहते हैं।

लोन के जाल में पूरा परिवार खत्म : पहले पत्नी साथ में दो मासूमों को मारा, फिर किया सुसाइड

इंदौर (आरएनएस)। बड़ी खबर मध्य प्रदेश के इंदौर से है। यहां ऑनलाइन लोन लेना परिवार के लिए काल बन गया। बता दें कि इंदौर में एक युवक ने पहले परिवार के लोगों को जहर देकर मारा और फिर खुद फांसी लगा ली। मृतक का नाम अमित यादव है। पहले उसने पत्नी टीना यादव और तीन साल की बेटी व डेढ़ साल के बेटे को जहर देकर मारा और फिर खुद फांसी लगा ली। चार लोगों की मौत से हडक़ंप मच गया। सुसाइट नोट में कर्ज से परेशान होने की बात कही है।

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची ओर जांच पड़ताल जारी है। बताया जा रहा है कि इंदौर के बाणगंगा थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाली भागीरथपुरा पुलिस चौकी क्षेत्र में रहने वाले अमित यादव ने कर्ज से परेशान होकर अपनी पत्नी और बच्चों को जहर देकर मार डाला, फिर खुद फांसी के फंदे पर झूल गया।

दरअसल, मध्य प्रदेश के सागर के रहने वाले अमित यादव ने जब मंगलवार सुबह अपने परिवार वालों का फोन नहीं उठाया तो भागीरथपुरा में ही रहने वाले उनके ससुराल पक्ष को सूचित किया गया। इसके बाद उनकी सास और परिवार वाले किराए पर लिए रूम पर पहुंचे तो कोई भी दरवाजा नहीं खोल रहा था। ऐसे में बाणगंगा पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची और दरवाजा तोड़ा गया तो अमित यादव का शव फांसी के फंदे पर लटका हुआ मिला। पास में ही दोनों बच्चे और पत्नी बिस्तर पर मूर्छित अवस्था में पड़े थे। जब उनकी नब्ज टटोली गई तो वह मृत पाए गए। डीसीपी धर्मेंद्र भदौरिया के मुताबिक, अमित टावर कंपनी में तकनीकी और सेटअप का काम करते थे। पुलिस के मुताबिक, 'पास में ही अमित का ससुराल है। रोजाना खाना उन्हीं के साथ होता था। उसके बाद रूम पर सिर्फ सोने के लिए आते हैं। एक दिन पहले ही वह उज्जैन महाकाल मंदिर के दर्शन और शाही सवारी में शामिल होने के लिए गए थे। वहां से लौटने के बाद उन्होंने दरवाजा नहीं खोला। मौके से एक सुसाइड नोट भी मिला है, जिसमें कर्ज का जिक्र है।' सुसाइड नोट में अमित यादव ने कई कंपनियों से लोन लेने का जिक्र किया है, जिसको वह दे नहीं पा रहा था। फिलहाल पुलिस इस मामले में तहकीकात कर रही है। पड़ोसियों के मुताबिक, अमित का व्यवहार सभी से काफी अच्छा था और आसपास में भी किसी से कोई विवाद नहीं था। एक साथ चार लोगों की मौत से पूरे इलाके में हडक़ंप है।

यौन उत्पीड़न के लिए महिला के कपड़े पर दोष मढ़ने वाले कोझीकोड के जज का तबादला

तिरुवनंतपुरम (आरएनएस)। यौन उत्पीडऩ के एक केस में महिला के कपड़े पर दोष मढऩे लाले कोझीकोड जिला सत्र न्यायाधीश एस कृष्णकुमार का तबादला हो गया है। उन्होंने दो यौन उत्पीडऩ मामलों में लेखक सिविक चंद्रन को अग्रिम जमानत देते हुए विवादास्पद टिप्पणी की थी। उनका कोल्लम (दक्षिण केरल) में श्रम अदालत में स्थानांतरित कर दिया गया है।

केरल हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल के कार्यालय की ओर से बीती देर रात कृष्णकुमार और तीन अन्य न्यायाधीशों के तबादले का फैसला जारी किया गया। मंजेरी जिला और सत्र न्यायाधीश एस मुरलीकृष्ण को कोझीकोड (उत्तरी केरल) में नए न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया है। एस कृष्णकुमार ने दो महीने पहले ही कोझीकोड की जिला सत्र अदालत में कार्यभार संभाला था।

दो जमानत याचिकाओं में विवादास्पद टिप्पणियों के बाद न्यायपालिका के उच्च स्तर के कई लोगों ने गंभीर आपत्ति व्यक्त की है। चंद्रन को अग्रिम जमानत देते हुए न्यायाधीश ने कहा था कि यौन उत्पीडऩ से संबंधित धारा 354 (ए) आरोपी के खिलाफ नहीं होगी क्योंकि महिला शिकायतकर्ता ने अपराध के समय यौन उत्तेजक पोशाक पहन रखी थी। एक दलित लेखक से जुड़े दूसरे मामले में उनकी टिप्पणी पर भी काफी विवाद हुआ।

इस साल 74 वर्षीय चंद्रन के खिलाफ यौन उत्पीडऩ के दो मामले दर्ज किए गए थे और उन्हें कोझीकोड (उत्तरी केरल) की सत्र अदालत ने दोनों मामलों में जमानत दे दी थी। पहले मामले में 17 जुलाई को एक दलित लेखिका ने शिकायत की कि चंद्रन ने उसे जबरन चूमने की कोशिश की और इस साल 17 अप्रैल को उसका शील भंग कर दिया। जिला अदालत ने इस मामले में दो अगस्त को उन्हें जमानत दे दी थी।

दोनों ही मामलों में जज की टिप्पणियों ने काफी विवाद खड़ा कर दिया। पहले मामले में जमानत देते हुए अदालत ने कहा था, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत अपराध आरोपी के खिलाफ नहीं होंगे क्योंकि यह बेहद अविश्वसनीय है कि वह पीडि़ता के शरीर को पूरी तरह से यह जानते हुए छूएगा कि वह अनुसूचित जाति की सदस्य है। इसके लिए न्यायाधीश ने एक कारण का हवाला दिया: आरोपी के शैक्षिक प्रमाण पत्र में उन्होंने उल्लेख किया कि उनकी कोई जाति या धर्म नहीं है।

अदालत ने यह कहते हुए खिंचाई की कि यह आरोपी की छवि को धूमिल करने का प्रयास है। अदालत ने कहा था, वह जाति व्यवस्था के खिलाफ लड़ रहे हैं और कई आंदोलनों में शामिल हैं। एसएसएलसी पुस्तक की प्रति से पता चलता है कि उन्होंने अपनी जाति का उल्लेख करने से इनकार कर दिया। आरोपी सुधारवादी है और जाति व्यवस्था के खिलाफ लडऩे में लगा हुआ है।

दूसरे मामले में तो उनकी टिप्पणियां अधिक भयावह थीं। जज ने फैसला सुनाते हुए कहा था, आरोपी द्वारा आवेदन के साथ पेश की गई तस्वीरों से पता चलता है कि वास्तव में शिकायतकर्ता यौन उत्तेजक कपड़े में थी। यहां तक कि यह विश्वास करना असंभव है कि 74 वर्ष की आयु और शारीरिक रूप से अक्षम व्यक्ति जबरन शिकायतकर्ता को अपनी गोद में बिठा सकता है और उसके निजी अंग को यौन रूप से दबा सकता है। इसलिए यह एक उपयुक्त मामला है जिसमें आरोपी को जमानत दी जा सकती है।

पिछले हफ्ते राज्य सरकार ने दोनों मामलों में आरोपियों को दी गई जमानत पर सवाल उठाते हुए उच्च न्यायालय का रुख किया था। राष्ट्रीय महिला आयोग और कई कार्यकर्ताओं और लेखकों ने न्यायाधीश की विवादास्पद टिप्पणियों की निंदा की है।

झांसी में पुलिस ने गिरफ्तार किया ईनामी गौ तस्कर

झांसी (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश में झांसी के रक्सा थानाक्षेत्र में पुलिस ने 25 हजार के एक शातिर ईनामी गौ तस्कर को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बुधवार को बताया कि रक्सा थानाक्षेत्र में डेली पुल पर मंगलवार देर रात की जा रही चेकिंग के दौरान मोटरसाइकिल पर दो संदिग्धों को आते देखा गया। पुलिस ने जब उन्हें रोकने का प्रयास किया तो वह भागने लगे। बदमाशों को भागता देख पुलिस टीम ने उनका पीछा किया लेकिन बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। इस पर पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग की। इस मुठभेड़ में एक बदमाश पैर में गोली लगने से घायल हो गया जबकि दूसरा अंधेरे का फायदा उठाकर पुलिस को चकमा देकर भागने में कामयाब रहा। पकड़े गये बदमाश की पहचान फारूक पुत्र मो़ कादिर निवासी व्यापारी मोहल्ला कस्बा व थाना फरह जनपद मथुरा के रूप में की गयी है जो 27 साल का है और शातिर बदमाश है जिसका लंबा आपराधिक इतिहास है। फारूक गौ तस्करी के मामले में झांसी के थाना रक्सा और सीपरी बाजार से वांछित है।

इस पर 25 हजार का ईनाम भी था। बदमाश के पास से एक तमंचा ,दो जिंदा कारतूस, एक खोखा , तमंचे में फंसा एक मिस कारतूस और बिना नंबर प्लेट की एक मोटरसाइकिल बरामद की गयी है। क्षेत्राधिकारी सदर (सीओ सदर) अवनीश कुमार गौतम ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि पकड़े गये बदमाश पर जनपद स्तर से 25 हजार का ईनाम घोषित किया गया था।

सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में दुर्लभ श्रेणी की जायंट गिलहरी की संख्या बढ़ी

नर्मदापुरम (आरएनएस)। मध्य प्रदेश के सतपुड़ा टाइगर रिजर्व (एसटीआर) में पाई जाने वाली भारतीय जायंट गिलहरी की संख्या में वृद्धि हुई है। अपनी लंबी छलांग के कारण क्षेत्र में उडऩे वाली गिलहरी के नाम से प्रसिद्ध जायंट गिलहरी अब तक दुर्लभ की श्रेणी में मानी जाती थी। अब एसटीआर में कई जगहों पर यह नजर रखी जा रही है। एसटीआर प्रबंधन के अनुसार यहां के अलावा यह जाइंट गिलहरी कर्नाटक के जंगल में यह पाई गई है। प्राकृतिक रूप से समृद्ध एसटीआर से गिलहरी को देख पर्यटक भी रोमांचित हो जाते हैं। अधिकारियों के अनुसार एसटीआर के मढ़ई, चूरना, बोरी, पचमढ़ी के जंगल में यह दिखाई दी है। इन जगहों पर प्राकृतिक वातावरण व भोजन जायंट गिलहरी के अनुकूल हे। इसी के चलते इनकी संख्या बढ़ रही है। हाल ही में एसटीआर प्रबंधन ने इंटरनेट मीडिया के माध्यम से जायंट गिलहरी को लेकर पोस्ट भी की, जिसके काफी सराहा गया है। गिलहरी बनी पहचान : भारतीय जायंट गिलहरी एसटीआर की पहचान भी है। प्रबंधन ने कुछ साल पहले ही अपने विभागीय लोगों में इसके चित्र का उपयोग किया था। नन्ही के नाम से इस गिलहरी का फोटो विभाग के कैप, जैकेट से लेकर अन्य कई जगहों पर उपयोग किया जाता है। बाघ के इलाके में आ रहीं नजर - प्रबंधन के मुताबिक एसटीआर के जंगल में बाघों के संरक्षण के लिए बेहतर प्रयास किए गए। बाघों की संख्या बढ़ी है। तो उनके इलाके में ही जायंट गिलहरियों का काफी संख्या में दिखना अच्छा संकेत है। एसटीआर के क्षेत्र संचालक एल कृष्णमूर्ति के अनुसार कई बार पर्यटकों को यह गिलहरी नजर आ चुकी है।

रीवा और सीधी जिले के बीच पहाड़ काटकर बनाई जा रही प्रदेश की सबसे लंबी दोहरी टनल

सीधी,24 अगस्त (आरएनएस)। मध्य प्रदेश के रीवा और सीधी जिले के बीच पहाड़ काटकर प्रदेश की सबसे लंबी दोहरी टनल (सुरंग) बनाई गई है। 1004 करोड़ रुपये की लागत से बन रही टनल का निर्माण कार्य निर्धारित समय सीमा से छह माह पहले ही पूर्ण होने की उम्मीद है। केंद्रीय सडक़ परिवहन एवं राज्यमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने निर्माण कार्य को गति को लेकर ट्वीट भी किया है। उन्होंने बताया कि टनल का 97 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है। यह छह (तीन-तीन) लेन सुरंग मोहनिया घाटी में बन रही हैं, जो साढ़े तीन साल में पूर्णता की ओर हैं। निगरानी के लिए इसमें 100 से ज्यादा आधुनिक सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। टनल में वाटरप्रूफ दीवारें हैं, जो पानी के रिसाव से बचाव करेंगी। यहां हो रहा निर्माण : झांसी-रांची हाईवे क्रमांक-39 में पहाड़ों को काटकर बनी सुरंग 2.3 किमी लंबी है। कोई वाहन टनल की ओर खराब हुआ तो सुरंग कंट्रोल रूम को सूचना मिल जाएगी। यह टनल 100 साल के लिए बनी है और इसमें रीवा और सीधी की दूरी सात किमी कम हो जाएगी। टनल में यह है खास - मोहनिया घाटी में वाहनों को जो अतिरिक्त समय लगता था, वह बचेगा। टनल और बाइपास निर्माण के लिए मार्च 2023 तक का समय निर्धारित था। टनल में अप व डापउन दिशा में टू लेन की सडक़ है, जो छह स्थानों पर आपस में जुड़ी है। कहीं पर जाम की स्थिति बनने पर यातायात डायवर्ट किया जा सकेगा। रीवा के बदवार में स्थित एशिया के सबसे बड़े सौर ऊर्जा प्लांट से 24 घंटे बिजली आपूर्ति होगी। पहाड़ी के नीचे सुरंग, उसके ऊपर नहर और ऊपर से सडक़ होगी। टनल के ऊपर बाणसागर बांध से उप्र और मप्र के लिए अलग-अलग नहर के ऊपर एक्वाडक्ट का निर्माण किया गया है।